



Kajal

29 Jul 1997

Model: web-freenumerology

Order No: 121049402

अंक ज्योतिष फल

नाम	Kajal
जन्म तिथि	29/07/1997
मूलांक	2
भाग्यांक	8
नामांक	8
मूलांक स्वामी	चन्द्र
भाग्यांक स्वामी	शनि
नामांक स्वामी	शनि
मित्र अंक	7, 9, 8
शत्रु अंक	5,
सम अंक	1, 3, 4, 6
मुख्य वर्ष	2009,2018,2027,2036,2045,2054,2063,2072
शुभ आयु	12,21,30,39,48,57,66,75
शुभ वार	सोम, रवि, शुक्र
शुभ मास	फर, जुला, सित
शुभ तारीख	2, 11, 20, 29
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
अनुकूल देव	शिव
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः
शुभ यंत्र	चन्द्र यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 29 होने से दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक धन एक के योग से दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्रग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल तथा योग ग्यारह के अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह हैं। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलाजुला फल दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक दो के स्वामी चन्द्र के प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति बहुत अच्छी रहेगी। आप स्नेहशील, भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति होंगे। जिस तरह चन्द्रमा घटता-बढ़ता रहता है उसी तरह आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी आप पूर्णिमा की तरह प्रफुल्लित होंगे तो कभी अमावस्या के अंधकार में डूब जायेंगे। अतः आपको अपने जीवन में धैर्य, धीरज रखने की अति आवश्यकता है।

आपमें बदलाव की प्रकृति होने से एक कार्य को बीच में ही अधूरा छोड़ दूसरे कार्य में रुचि लेने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। इससे कई बार आपके कार्य देर से बनेंगे और एकाधबार तो कार्य बिगड़ ही जाया करेंगे। अतः आपको अपने ऊपर भरोसा रखना होगा और कठिन समय में आत्म विश्वास बनाये रखना होगा तभी आप सांसारिक सफलताएं पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपके अन्दर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होगा। आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मुखिया के रूप में कार्य करेंगे। साहस एवं पराक्रम के कार्यों में सहयोग देंगे। अंक एक के स्वामी सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।